

are also being supplied at concessional rates. Wherever the educational institutions have a hostel or a canteen, essential commodities like sugar, kerosene etc. are being supplied at controlled rates.

As regards facilities to be given to the people affected by flood it may be mentioned that Government have already raised the house building advance for fully and partially collapsed houses. They have also announced allotment of house building materials like bamboo etc. at concessional rates through the Forest Corporation. Rehabilitation and Test Relief Programme in all 10 flood-affected districts, including Sambalpur, Bolangir and Kalahandi are being undertaken. There is no discrimination between flood affected areas.

The fifth demand is for the revision of the decision to increase bus fares and more than 50 per cent concession to the students for travelling by bus. The State Government have given concession to students in bus fare to the extent of 25 per cent. At certain places, like Rourkela, where the college is located at a considerable distance, higher concession has been given.

The sixth demand is for adequate compensation to the families of the deceased, who were killed in police firing at Binka, and also to the injured students. As regards payment of compensation to the victims of the police atrocities, there are no such victims in Sambalpur district. In respect of Bolangir district, the family of the person who died in firing at Binka has been given Rs. 5,000 from the Chief Minister's Relief Fund. The other injured person has also been given a grant of Rs. 1,000/- from the Chief Minister's Relief Fund.

The seventh demand is to check price rise and supply of essential

commodities through fair price shops. The State Government have recently formed a Civil Supplies Corporation to ensure availability and proper distribution of a larger number of essential commodities. So, all the demands which were made by the students in the charter of demands have been satisfied and fulfilled by the State Government.

The final question was whether there is any hand of some political personalities in this. Yes, there is some hand of political persons.... (Interruptions) and they have played a major role in inciting the students both inside and outside the campus, which resulted in bad relations between the students and the business community.... (Interruptions).

12.39 hrs.

RE. ADJOURNMENT MOTIONS

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर):
 अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मैंने एजोर्नमेंट मोशन दिया है कि इलाहाबाद में प्राइम मिनिस्टर की मीटिंग में विद्यार्थियों को जाने नहीं दिया गया।

अध्यक्ष महोदय : आप पहले मरी बात सुन लें।

श्री राम विलास पासवान : पुलिस द्वारा वहां पर गोली चलाई गई और 3 आदमी मारे गये। ... (व्यवधान) ...

MR. SPEAKER: No, I am not allowing it.

श्री राम विलास पासवान : वहां का जो वाइस चान्सलर है ... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : आप बोलते चले जा रहे हैं। Whatever is not allowed will not go on record.

SHRI RAM VILAS PASWAN: **

श्री मनोराम बागड़ी (हिसार)
 अध्यक्ष जी, मैं आप की व्यवस्था चाहता हूँ। मैंने आज आप को एक काम रोका प्रस्ताव दिया था। . . . (व्यवधान) . . . मेरी बात सुनिये। मैं इमनिये यह नहीं कहना चाहता कि मेरा नाम आ जाये। यह बात सब के सामने आनी चाहिये क्योंकि डेम्पनेसी का यह तरीका है कि अगर विपक्ष गलती करता है तो लोग उस को गलत कहेंगे और अगर सरकार गलती करती है, तो उस को गलत कहेंगे। आखिर यह वायलेस कैसे मिलेगा। मैं यह अर्ज कर रहा हूँ कि दिल्ली, हिमाचल और चंडीगढ़ में विद्यार्थियों पर गोली चली, लाठी चली और हत्याएं भी हुई। बच्चों की हत्याएं हों और लोक सभा में . . .

प्रश्नकर्ता महोदय : मैं विजनेस एड-वायजरी कमेटी की मीटिंग बुला रहा हूँ। उसमें देखा जा सकता है कि किस तरह से डिसकस करना है, क्या करना है। फिर आप डिसकस कर लीजिये।

श्री राम दिलास दासदान : वह कहां होती है? पिछली बैठक भी नहीं हुई।

अध्यक्ष महोदय : नहीं कल हो रही है, चार बजे। (व्यवधान)

श्री मनोराम बागड़ी : मैं व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूँ। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूँ कि आप मेरी राय सुन लें।

अध्यक्ष महोदय : मैं आपकी राय नहीं मांग रहा, आप व्यवस्था का प्रश्न उठाइये।

श्री मनोराम बागड़ी : जब यह लोक सभा बैठती है तो फिर यह डिसकस क्यों नहीं कर रही है?

अध्यक्ष महोदय : आप व्यवस्था का प्रश्न उठाइये। वैसे तो यह स्टेट सबजेक्ट है।

श्री मनोराम बागड़ी : आप इस चर्चा को आरंभ करें। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have given my ruling.

श्री मनोराम बागड़ी : दिल्ली में लाठी चली है।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये, मैंने आपकी बात सुन ली है। आप कानून पढ़ कर आइये, व्यवस्था का नियम पढ़िये, फिर मेरे पास आइये।

श्री मनोराम बागड़ी : अगर आपने पढ़ा है तो आप बता दीजिये कि कौन सा नियम है? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुझे बिल्कुल नहीं बताना है। मैं कोई रीजन नहीं दूंगा। (व्यवधान) आप नियम को पढ़ें।

श्री मनोराम बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, यह चर्चा चलनी चाहिये, इसको चलने देना चाहिये (व्यवधान)

श्री हरकिश बहादुर (गोरखपुर) : प्रधान मंत्री जी जब इलाहाबाद जाना चाहती थीं . . .

अध्यक्ष महोदय : वह सारी बात आ गयी है, ओवर रूल्ड। (व्यवधान) इसको कल विजनेस एडवायजरी में देखेंगे कि यह चीज किसी तरीके से हो सकती है। (व्यवधान)

श्री रामचंद्र शास्त्री (पटना) : अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में तीन किसान नेताओं की जमींदारों ने ट्रैक्टर चलाकर पुलिस के सामने हत्या कर दी।

अध्यक्ष महोदय : नाट अलाऊड। ओवर रूल्ड (व्यवधान)

श्री अरुण ए. ए. ए. (चैल) :
इलाहाबाद की घटना, प्रधान मंत्री जी के
जाने से..... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: नाट अलाऊड, ओवर
रूल्ड । (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई
दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, कानून और
व्यवस्था के सम्बन्ध में केन्द्र सरकार की
जिम्मेदारी है। (व्यवधान) एक आफिसर
को यहां दिन-दहाड़े तीस लोगों ने किडनेप
किया ।

*अध्यक्ष महोदय : यह इंडिविजुअल केस
है । (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : फिर
यह मामला पार्लियामेंट में कैसे उठाया जा
सकता है ?

अध्यक्ष महोदय : आप कल डिसकस
कर लीजियेगा ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : दिल्ली में
किडनेपिंग हो रहा है। पुलिस किडनेपर्स
को सेव करती है.....

अध्यक्ष महोदय : वह सेव करती है,
इसे भी वहां देख लेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आप
होम मिनिस्टर से कह कर रिपोर्ट मांगिये ।
दिल्ली में असेम्बली नहीं है, दिल्ली के
मामले और कहीं डिसकस नहीं हो सकते हैं ।

SHRI SATYASADHAN CHAKRA-
BORTY (Calcutta South): **

MR. SPEAKER: Not allowed. Over
ruled. Not to go on record.

SHRI SATYASADHAN CHAKRA-
BORTY....***

SHRI NIREN GHOSH (Dum Dum):
I gave notice of an adjournment mo-
tion.

MR. SPEAKER: But I have not ad-
mitted it.

SHRI NIREN GHOSH: It is about
a giant fertiliser contract to a foreign
firm.

MR. SPEAKER: I am still getting
the facts.

SHRI NIREN GHOSH: Just let
me say.

MR. SPEAKER: No, not allowed.
Let me get the facts. You are not
allowed to mention it.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Why do you per-
sist when I am not allowing you?

श्री धनिक लाल मण्डल (झंझारपुर) :
माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था
का प्रश्न यह है, पहले तो मैं आपसे
निवेदन करना चाहता हूँ, प्रार्थना करना
चाहता हूँ, आपने अपनी व्यवस्था दे दी
है, इसलिये मेरा व्यवस्था का प्रश्न
उठाने का अर्थ नहीं रहता। तभी होता है,
उसका अर्थ तभी रहता है जब मैं आपसे
प्रार्थना करूँ कि आप अपनी जो पहले की
व्यवस्था है, उसको बदल लें और हम
लोगों के पक्ष में व्यवस्था दें।
सुनने की बात है। इसलिये मैं आपसे
प्रार्थना करता हूँ कि आपने जो पहले
व्यवस्था दे दी है, उसको बिना चैलेंज
करते हुए, मैं उसको चुनौती नहीं दे
रहा हूँ, मैं आपसे सिर्फ प्रार्थना कर रहा
हूँ कि आपने जो व्यवस्था दी है, स्व-विवेक
में उस पर पुनर्विचार कर के हमारी बात
सुनिये। बात है इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की।
इलाहाबाद यूनिवर्सिटी देश की प्रीमियर

**Expunged as ordered by the Chair.

***Not recorded.

[श्री धनिक लाल मण्डल]

यूनिवर्सिटी है। प्रीमियर यूनिवर्सिटी है और प्रेस्टिजियस यूनिवर्सिटी है। सारे बड़े-बड़े लोग इस देश के वहीं से पैदा हुए हैं खासकर के जवाहरलाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी सब इलाहाबाद से आते हैं। (व्यवधान) पाकिस्तान के जो प्रधान मंत्री थे, पहले प्रधान मंत्री, वे भी इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में पढ़े हुए थे। (व्यवधान) मेरी प्रार्थना यह है कि हम लोग भी इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से आये हैं, इसलिये हमको इसके लिये बहुत गर्व है। हम आपसे इतनी सी प्रार्थना कर रहे हैं कि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में जो कुछ घटना घटी है वह स्टेट सज्जेक्ट होते हुए भी ... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपसे अर्ज किया कि कल बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग है, उसमें देखेंगे कि किस प्रकार से मसला उठाया जाये।

श्री धनिक लाल मण्डल : इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के बारे में 2-3 बातें मैं अर्ज करना चाहता था कि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी को बैरेक बना दिया जायेगा तो क्या इस देश की पार्लियामेंट चुपचाप सुनती रहेगी? वहां अग्रर मिल्ट्री, पुलिस, सी. आर. पी., बी. एस. एफ. सब आ जायेंगे तो क्या लोक सभा चुपचाप रहेगी?

अध्यक्ष महोदय : बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में बात करेंगे। मैंने अर्ज किया है कि कल हम बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग कर रहे हैं। उस में देखेंगे किस प्रकार से फैसला होता है।

श्री धनिक लाल मण्डल : इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के बारे में मैं दो-तीन बातें अर्ज करना चाहता हूँ। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी को यदि बैरेक बना दिया जायेगा तो इस देश की पार्लियामेंट क्या चुपचाप देखती रहेगी? वहां यदि मिलिट्री, पुलिस,

सी. आर. पी., बी. एस. एफ. और जितनी तमाम सेना है उसको भेज दिया जायेगा तो हम लोग क्या चुपचाप बैठे रहेंगे।

अध्यक्ष महोदय : बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में देखेंगे, बात करेंगे। डिसकशन का विचार कर रहे हैं कि किस तरीके से करनी है।

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): I want to draw your attention to two things. One is about the notice of privilege motion that I gave. Public Undertakings Committee has been refused certain documents by the Government. It is a very serious matter.

MR. SPEAKER: I am getting the facts, Mr. Bosu. When I get those facts then I will talk to you.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: You are a custodian of the House and the House will be denigrated if the Government is allowed to have a greater way of doing things.

The second thing is, yesterday, when I was talking on the Criminal Procedure (Amendment) Bill, I had mentioned four cases of withdrawal involving a former Chief Minister of Orissa Mrs. Nandini Satpathi, the other was of Shri Chand Ram, the third case was of hijacking and the fourth was of Shri S. K. Modi. I did not cast any aspersion. I did not violate Rule 353. I only made a statement which was a matter of fact which had come out in the press. The hon. Deputy Speaker has expunged the whole thing. If I do not...

MR. SPEAKER: You come to me. We shall see whether they have been expunged or not. You come to me, will satisfy you.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: All right, Sir.

MR. SPEAKER: He is your brother M. P. you need not get so cross and angry.

(Interruptions)